सिडबी

रूपांतरण यात्रा

वार्षिक प्रतिवेदन

2017–18

(पार्ट - I)

लघु उद्योग क्षेत्र के लिए महात्मा गांधीजी के
दृष्टिकोण को प्रशस्त करने के पथ पर

आन लाइन वार्षिक प्रतिवेदन देखने के लिए
www.sidbi.in पर जाएँ.

लक्ष्य

"एमएसएमई के लिए ऋण प्रवाह सुगम एवं सुदृढ़ बनाना और एमएसएमई पारितंत्र के वित्तीय एवं विकासपरक, दोनों प्रकार के अंतरालों की पूर्ति करना।"

विजन 2.0

"सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम क्षेत्र में, वैचारिक नेतृत्वकर्ता के रूप में, क्रेडिट-प्लस दृष्टिकोण अपना कर, गुणक प्रभाव सृजित करके एवं एक संयोजक के रूप में सेवाएँ प्रदान करते हुए, बैंक के लिए एक एकीकृत ऋणसुविधा तथा विकास सहायक भूमिका सृजित करने हेतु, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) को एक अखिल भारतीय वित्तीय संस्था के रूप में रूपांतरित करना।"

प्रेषण - पत्र

20 जुलाई, 2018

सचिव
वित्त मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली

प्रिय महोदय,

वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान सिडबी के कामकाज संबंधी वार्षिक लेखे एवं निदेशक मंडल की रिपोर्ट

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम 1989 की धारा 30(5) के प्रावधानों के अनुसार हम एतद् द्वारा निम्नलिखित दस्तावेज़ अग्रेषित कर रहे हैं :

(1) 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के वार्षिक लेखों की प्रति; तथा

(2) 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के कामकाज के बारे में निदेशक मंडल की रिपोर्ट

भवदीय,

(मोहम्मद मुस्तफा)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संलग्न : यथोपरि।

निदेशक मंडल
(यथा 30 सितंबर, 2018)
(11 निदेशक)

श्री मोहम्मद मुस्तफा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री अजय कुमार कपूर
उप प्रबंध निदेशक

श्री मनोज मित्तल
उप प्रबंध निदेशक

श्री राममोहन मिश्रा

श्री पंकज जैन

श्री जी. ए. ताडस

श्री जी. के. कंसल

श्री एस. हरिहरन

श्री शरद शर्मा

श्री जी. गोपालकृष्णा

श्री आशीष गुप्ता

निदेशकों की समिति
(यथा 30 सितंबर, 2018)

कार्यपालक समिति

श्री मोहम्मद मुस्तफा, अध्यक्ष
श्री अजय कुमार कपूर
श्री मनोज मित्तल
श्री जी. के. कंसल
श्री एस. हरिहरन
श्री शरद शर्मा

लेखापरीक्षा समिति

श्री अजय कुमार कपूर
श्री मनोज मित्तल
श्री पंकज जैन
श्री एस. हरिहरन
श्री जी. ए. ताडस

जोखिम प्रबंध समिति

श्री शरद शर्मा, अध्यक्ष
श्री अजय कुमार कपूर
श्री मनोज मित्तल
श्री जी. के. कंसल
श्री जी. ए. ताडस

मानव संसाधन संचालन समिति

श्री मोहम्मद मुस्तफा, अध्यक्ष
श्री अजय कुमार कपूर
श्री मनोज मित्तल
श्री पंकज जैन
श्री जी. के. कंसल
डॉ. (श्रीमती) चित्रा राव (बाह्य विशेषज्ञ)

वसूली समीक्षा समिति

श्री मोहम्मद मुस्तफा, अध्यक्ष
श्री अजय कुमार कपूर
श्री मनोज मित्तल
श्री पंकज जैन
श्री जी. ए. ताडस

इरादतन चूककर्ता एवं असहयोगी उधारकर्ता समीक्षा समिति

श्री मोहम्मद मुस्तफा, अध्यक्ष
(श्री शरद शर्मा एवं
श्री आशीष गुप्ता
को जोड़कर पुनर्गठित)

बड़े मूल्य की धोखाधड़ियों की निगरानी हेतु विशेष समिति

श्री मोहम्मद मुस्तफा, अध्यक्ष
श्री अजय कुमार कपूर
श्री मनोज मित्तल
श्री पंकज जैन
श्री जी. के. कंसल
श्री एस. हरिहरन
श्री जी. ए. ताडस

सूचना प्रौद्योगिकी रणनीति समिति

श्री शरद शर्मा, अध्यक्ष
श्री अजय कुमार कपूर
श्री मनोज मित्तल
श्री जी. ए. ताडस
श्री पुष्पिंदर सिंह
(बाह्य विशेषज्ञ)

ग्राहक सेवा समिति

श्री मोहम्मद मुस्तफा, अध्यक्ष
श्री अजय कुमार कपूर
श्री मनोज मित्तल
श्री जी. के. कंसल
श्री एस. हरिहरन

उप प्रबंध निदेशक - प्रबंध समिति

श्री अजय कुमार कपूर
श्री जी. के. कंसल
श्री शरद शर्मा

ऋण एवं निवेश हेतु निदेशकों की समिति

श्री अजय कुमार कपूर
श्री मनोज मित्तल
श्री जी. के. कंसल
श्री एस. हरिहरन

नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

श्री पंकज जैन
श्री एस. हरिहरन

* इस वर्ष के दौरान, यौन उत्पीड़न संबंधी दो शिकायतें प्राप्त हुई, जिनका नियमानुसार समयावधि के भीतर निपटान किया गया।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

"बैंक ने आस्ति आधार का **₹1 लाख करोड़** का उल्लेखनीय पड़ाव पार किया और अब तक का सर्वाधिक निवल लाभ दर्ज किया"

वित्तीय वर्ष 2018 के अपने कार्य-निष्पादन तथा आगे की अपनी यात्रा की रणनीतिक दिशा को आपसे साझा करते हुए मुझे बहुत हर्ष और गौरव का अनुभव हो रहा है।

विगत वर्ष

हमने वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान कई महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं और सभी प्रमुख मानदंडों की दृष्टि से उल्लेखनीय प्रगति की।

- आस्ति-आधार में 37% की जोरदार वृद्धि हुई, जिससे यह ₹1 लाख करोड़ का उल्लेखनीय पड़ाव पार करके वित्तीय वर्ष 2018 के अंत में ₹1,08,869 करोड़ पर जा पहुँचा।
- 31 मार्च 2018 को बैंक के निवल अग्रिम ₹95,291 करोड़ थे, जबकि 31 मार्च 2017 को यह ₹ 68,290 करोड़ रहा था। इससे उधार-बही में 39.5% की उल्लेखनीय वृद्धि का पता चलता है।
- बैंक की कुल आय वित्तीय वर्ष 2017 में ₹6,346 करोड़ रही थी, जो वित्तीय वर्ष 2018 में बढ़कर ₹ 6,600 करोड़ हो गयी। यह पिछले वर्ष की कुल आय से 4% अधिक है।
- बैंक ने वित्तीय वर्ष 2018 में ₹1,429 करोड़ का निवल लाभ अर्जित किया, जो अब तक का सबसे अधिक निवल लाभ है और पिछले वर्ष की तुलना में 27.5% अधिक है।

वित्तीय वर्ष 2017 में सकल अनर्जक आस्तियाँ 1.2% थीं, जो वित्तीय वर्ष 2018 में घटकर 0.94% रह गयीं। इस कमी ने उपर्युक्त उपलब्धियों के लिए पूरक का काम किया। वसूली पर अधिक बल देने और समाधानकारक पद्धतियाँ अपनाने के कारण यह संभव हो पाया।

इसके फलस्वरूप शेयरधारक मीट्रिक्स में सुधार हुआ है। आस्तियों पर प्रतिलाभ वित्तीय वर्ष 2017 के 1.42% से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2018 में 1.61% हो गया और ईक्विटी पर प्रतिलाभ वित्तीय वर्ष 2017 के 9.1% से सुधर कर वित्तीय वर्ष 2018 में 10.2% हो गया। निवेशकों की प्रति शेयर आय ₹21 से बढ़कर ₹ 27 हो गयी।

भविष्य के हमारे प्रयास

हम एक ऐसी संस्था का निर्माण कर रहे हैं जो सिडबी विजन 2.0 अपनाकर एमएसएमई के सर्वांगीण विकास के अपने लक्ष्य के प्रति पूर्णतया समर्पित है। बैंक के विजन 2.0 को साकार करने के लिए तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान दिया जा रहा है। इनमें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष ऋण-प्रदायगी पर एकीकृत ध्यान केन्द्रित करते हुए ऋण अंतराल को पाटना, एमएसएमई के लिए गैर-वित्तीय सहायता को बढ़ावा देना तथा एमएसएमई डाटा तक पहुँच में सुधार लाना शामिल है।

एमएसएमई वित्तपोषण के लिए बैंक प्रत्यक्ष उधार के संयुक्त प्रयासों की रणनीति क्रियान्वित करके ऋण के अंतराल को पाट रहा है। यह अनुकरणीय और बड़े पैमाने पर बनाए जा सकनेवाले उत्पादों तथा बहु-प्रभावकारी चैनलों के माध्यम से अप्रत्यक्ष ऋण-प्रदायगी पर केन्द्रित है।

बैंक ने अप्रत्यक्ष माध्यमों से ऋण प्रदायगी में 48% की वृद्धि दर्ज की। अग्रिमों की समग्र वृद्धि में इसका उल्लेखनीय योगदान रहा। आगामी वर्ष के दौरान हम अपनी आस्ति-बही में इस माध्यम पर और मार्जिन बनाए रखने की सुनिश्चित रणनीति पर प्रमुखता से ध्यान देना जारी रखेंगे। हमारे अप्रत्यक्ष वित्त-चैनल ने ऋण-प्रदायगी को व्यापक बनाया है और अच्छी रेटिंग वाले मध्यवर्ती घटकों के माध्यम से उपलब्ध रियायती संसाधनों के रणनीतिक उपयोग के जरिए अंतिम लाभग्राही तक सस्ते ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की है। ये मध्यवर्ती एमएसएमई उधार के चौंपियन बनकर उभरे हैं।

अंतिम छोर तक पहुँच में गहराई लाने की बहु-आयामी रणनीति के जरिए प्रत्यक्ष ऋण व्यवसाय को बढ़ाया गया है। रणनीतिक भागीदारियों, कम राशि के ऋणों के जरिए पहुँच के विस्तार तथा इस वित्त वर्ष के दौरान व्यापारी वित्त योजना जैसे नये उत्पादों के जरिए परिमाण-वृद्धि करने के साथ-साथ जोखिम-शमन के

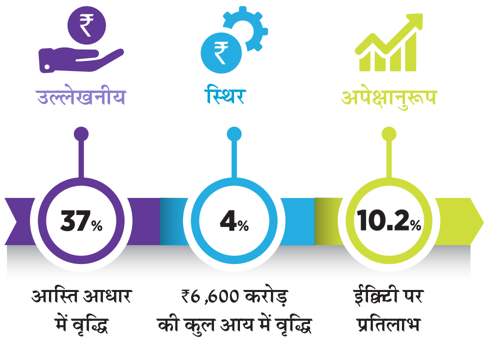

बेहतर उपाय अपनाकर इसे और सुदृढ़ किया गया है। भविष्य में व्यवसाय का परिचालन उत्पादकता में सुधार लाने और मार्जिन बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाएगा। जिस पहलकदमी पर हम प्रमुखता से प्रकाश डालना चाहते हैं, वह है अल्प वित्त संस्थाओं के साथ हमारी साझेदारी। इसका उद्देश्य उन सूक्ष्म उद्यमियों को कम ब्याज-दर पर ऋण प्रदान करना है, जिन्हें ₹ 50,000 से ₹3 लाख तक के ऋण की जरूरत होती है। इस प्रकार उन्हें जीविकोपार्जन की स्थिति से आगे बढ़ाकर उद्यमिता की स्थिति में लाया जाता है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ एक संपर्क-रहित एमएसएमई ऋण प्लेटफॉर्म आरंभ किया गया है। इससे ऋण तक पहुँचने में और अधिक सुगमता होगी, जिसके फलस्वरूप एमएसएमई वित्तीयन जगत में समावेशन को गति मिलेगी।

इसी वित्त वर्ष के दौरान हमने 'यूटीआई स्वतंत्र' की तर्ज पर एक मीडिया अभियान आरंभ किया है। इसका उद्देश्य देश में उद्यमिता की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। हमने ईटी-एमएसई पुरस्कार आरंभ किया है, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म एवं लघु उद्यम क्षेत्र में कल के व्यवसाय-नेतृत्व की खोज करना है। साथ ही, एमएसएमई को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से हमने प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी), प्रबंध संस्थानों (आईआईएम, लखनऊ) और देश के अग्रणी व्यवसाय-संगठनों से भी समझौते किए हैं। सीएससी-ई गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लि. के सहयोग से 115 'अभिलाषापरक' जिलों में उद्यमिता विकास के लिए जागरूकता कार्यक्रम आरंभ किए गये हैं। कालान्तर में इसे उद्यमिता विकास कार्यक्रम तथा सूक्ष्म उद्यम संवर्द्धन कार्यक्रम में अपग्रेड कर दिया जाएगा। एक और पहल रही है एमएसएमी इकाइयों के लिए उन्हीं के इलाके में कार्यरत बड़े उद्यमों का शिक्षण-दौरा आयोजित करना, ताकि वे उत्पादन, प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता और परिमाण-वृद्धि की बारीकियों को समझ सकें।

सूचना की विषमता के समाधान के लिए हमने कई संरचनागत पहलकदमियाँ की हैं। इनमें से उल्लेखनीय हैं- एमएसई-रुझान सूचकांक- 'क्रिसिडेक्स' तथा एमएसएमई स्वास्थ्य-सूचक- 'एमएसएमई-पल्स'। इन पहलकदमियों का लक्ष्य है- एमएसएमई क्षेत्र में विद्यमान सूचना की विषमता को कम करना।

समूह की कंपनियों का योगदान

मैं बैंक के सहयोगी एवं सहायक नेटवर्क की भूमिका का भी उल्लेख करना चाहता हूँ, जिनसे इस क्षेत्र की विविधतापूर्ण जरूरतों को पूरा करनेवाला पारितंत्र निर्मित हुआ है। इनमें सिडबी वेंचर कैपिटल लिमिटेड (एसवीसीएल), माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लि. (मुद्रा), ऐक्युट रेटिंग्स एंड रिसर्च लि. (पूर्ववर्ती स्मेरा), इंडिया एसएमई ऐसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी लि. (आइसार्क), अब 'उड़ान' के नाम से ज्ञात क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेस (सीजीटीएमएसई), इंडिया एसएमई टेक्नोलॉजी सर्विसेज लि. (आइएसटीएसएल), रिसीवेबल्स एक्स्चेंज ऑफ इंडिया लि. (आरएक्सआईएल) तथा आनलाइन पीएसबी लोन्स लिमिटेड शामिल हैं। अनवरत वृद्धि के जरिए सहयोगी और सहायक संस्थाओं के इस नेटवर्क को और बढ़ाया जाएगा।

निष्कर्षात्मक टिप्पणियाँ

एक रणनीति के तौर पर बैंक 'सर्वजन के वित्तीय समावेशन', 'स्टार्ट-अप इंडिया', मुद्रा, स्टैंड-अप-इंडिया, 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया' आदि राष्ट्रीय मिशनों को साकार करने की दिशा में निरन्तर कार्यरत रहेगा। हमें पक्का विश्वास है कि प्रौद्योगिकी के समुचित इस्तेमाल से पहुँच का विस्तार करने, लागत कम करने और सबसे बढ़कर, ऋण तक पहुँच के लोकतंत्रीकरण के उद्देश्य को पूरा किया जा सकेगा।

मेरा मानना है कि सही इरादे, कड़ी मेहनत, ऊर्जा, प्रतिबद्धता, ईमानदारी, सही मंच और सही रणनीति से सब कुछ हासिल किया जा सकता है। यदि कोई ऐसी चीज है जिसे मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ तो वह है एमएसएमई जगत में अनन्त अवसरों की उपलब्धता. जो जीडीपी में दुबारा आई वृद्धि, एमएसएमई के विकास पर सरकार द्वारा दिए जा रहे बल और विमुद्रीकरण एवं जीएसटी के कारण अर्थव्यवस्था के औपचारीकरण की देन हैं। बैंक के कर्मचारियों ने पुनरुज्जीवन के जो प्रयास किए हैं, उनके परिणाम सामने आने लगे हैं। बैंक के वित्तीय वर्ष 2018 के आँकड़ों में वे दिखाई दे रहे हैं और आनेवाले वर्षों में उनका असर और भी दिखेगा। बैंक के कई क्षेत्रों में सुधार की अब भी गुंजाइश है, जबकि समस्या वाले क्षेत्रों के समाधान और अपनी सामर्थ्य के बल पर सुधार लाने के लिए इसके पास ठोस योजनाएँ हैं। मुझे यकीन है कि अगले वित्तीय वर्ष में भी बैंक का कार्य-निष्पादन बेहतर रहेगा और यह संस्था रूपान्तरण की यात्रा को जारी रखने की दिशा में तत्पर है।

(मोहम्मद मुस्तफा)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

निदेशकों की रिपोर्ट 2017-18

बैंक का निदेशक-मंडल आपके बैंक के 31 मार्च 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के समग्र व्यवसाय और परिचालनों से संबंधित अपनी रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है।

आपके बैंक ने अप्रैल 1990 में काम करना शुरू किया। इसे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास के तिहरे दायित्व के निर्वहन और इस क्षेत्र में इसी प्रकार की गतिविधियों में संलग्न अन्य संस्थाओं के मध्य समन्वयन के लिए प्रमुख वित्तीय संस्था के रूप में काम करने का अधिदेश प्राप्त है।

राजकोषीय वर्ष 2018 आपके बैंक के लिए मील का पत्थर सिद्ध हुआ है। एमएसएमई के बदलते हुए भूदृश्य से तारतम्य बिठाते हुए आपके बैंक ने सिडबी विजन 2.0 अपनाया, ताकि वह एमएसएमई जगत को वैचारिक नेतृत्व देकर, ऋणाधिक दृष्टिकोण अपनाते हुए, बहुलताकारक प्रभाव निर्मित करे और सबको साथ लेकर चलते हुए अखिल भारतीय वित्तीय संस्था के रूप में अपनी भूमिका को पुनः परिभाषित कर सके, जिससे भारत के एमएसएमई के लिए ऋण और विकास संबंधी सहायता का एकीकृत पारितंत्र निर्मित हो सके।

आपके बैंक ने नया प्रतीक-चिह्न अपनाया है। जैसाकि इसके ऊर्जाकारी नीले और हरे रंग, मनुष्य और प्रकृति को दर्शाती दो परस्पर अंतर्वेष्टित आकृतियों तथा उद्यमिता-भावना को इंगित करते बिन्दु से परिलक्षित होता है, इस प्रतीक-चिह्न में एमएसएमई क्षेत्र को और अधिक ऊर्जस्वी, गतिवान तथा अनुक्रियाशील बनाने की प्रतिबद्धता को दुहराया गया है।

बैंक के परिचालन एवं वित्तीय कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं एतद्द्वारा प्रस्तुत हैं।

(अजय कुमार कपूर)
उप प्रबंध निदेशक

(मनोज मित्तल)
उप प्रबंध निदेशक

वर्ष के दौरान बैंक की कार्यनिष्पादन उपलब्धियां भाग I में दर्शाई गयी हैं और लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण भाग II में संलग्न है।

वित्तीय विशेषताएँ

अब तक की प्रगति...

(₹ करोड़)

यथा 31 मार्च	1991	2001	2011	2016	2017	2018
कुल आस्तियाँ	5309.2	17089.8	51216.8	76478.5	79682.3	108869.5
बकाया संविभाग	5176.8	14570.6	46053.6	65632.1	68289.6	95290.7
पूँजी–अधिकृत	500.0	1000.0	1000.0	1000.0	1000.0	1000.0
–प्रदत्त	450.0	450.0	450.0	487.0	531.9	531.9
आरक्षितियाँ और निधियाँ	44.9	3611.6	5868.4	11108.3	13069.5	14360.0
कुल आय (प्रावधान घटाकर)	425.1	1619.4	3433.0	5559.5	6266.5	6555.7
निवल लाभ	35.6	477.4	513.8	1177.5	1120.2	1429.2
शेयरधारकों को लाभांश	5.0	67.5	112.5	94.7	93.9	114.4
औसत बकाया संविभाग पर प्रतिलाभ (%)	0.7	3.3	2.0	2.9	2.5	2.6
निवल बकाया संविभाग के प्रतिशत के रूप में मानक आस्तियाँ	100.00	95.63	99.72	99.27	99.56	99.74
पूँजी व जोखिम आस्ति अनुपात (%)	13.90	28.12	30.60	29.86	28.42	26.73

वर्ष का कार्य-निष्पादन...

(₹ करोड़)

विवरण	यथा 31 मार्च 2017 बकाया राशि	यथा 31 मार्च 2018 बकाया राशि
I. अप्रत्यक्ष ऋण		
क. बैंकों, लघु वित्त बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं को पुनर्वित्त	48,503	72,622
ख. अल्प वित्त संस्थाओं को पुनर्वित्त	2,308	1,580
ग. गैरबैंकिंग वित्तीय कंपनियों को संसाधन सहायता	6,867	11,412
कुल अप्रत्यक्ष ऋण	**57,678**	**85,614**
II. प्रत्यक्ष ऋण		
क. ऋण एवं अग्रिम	9,541	8,775
ख. प्राप्य वित्त योजना और भुनाईकृत बिल	1,071	902
कुल प्रत्यक्ष ऋण	**10,612**	**9,677**
सकल योग	**68,290**	**95,291**

वित्तीय कार्य-निष्पादन

अब तक का उच्चतम निवल लाभ

वित्तीय वर्ष 2017
₹1120 करोड़

27.5%

वित्तीय वर्ष 2018
₹1429 करोड़

स्थिर कुल आय वृद्धि

वित्तीय वर्ष 2017
₹6346 करोड़

4%

वित्तीय वर्ष 2018
₹6600 करोड़

आय के प्रति व्यय में कमी

वित्तीय वर्ष 2017
23.2%

वित्तीय वर्ष 2018
20.3%

₹ करोड़

आस्ति आधार ₹1लाख करोड़ के पार

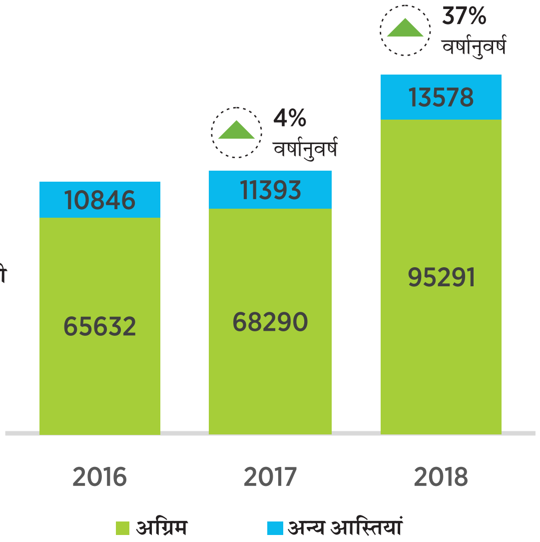

अंशधारक के मापन

आस्तियों पर प्रतिलाभ (आर ओ ए)		ईक्विटी पर प्रतिलाभ (आर ओ ई)	
वित्त 2017	वित्त 2018	वित्त 2017	वित्त 2018
1.42%	**1.61%**	**9.1%**	**10.2%**

अग्रिम का विश्लेषित विवरण

₹ करोड़

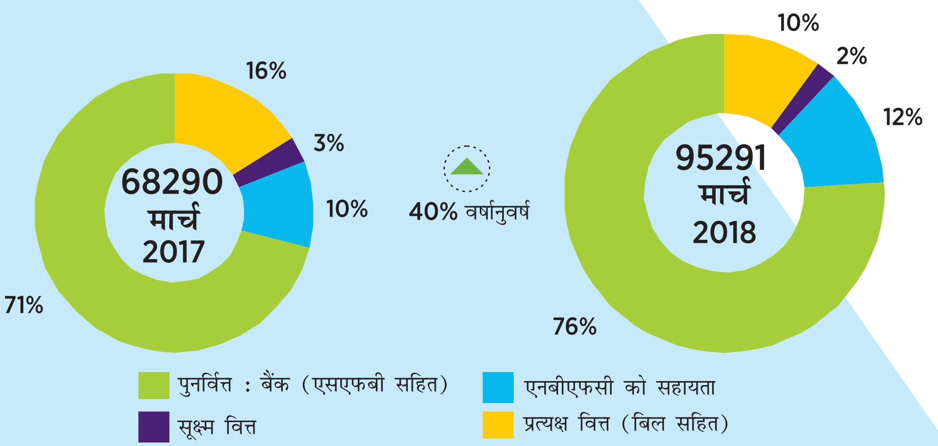

मार्जिन में पुनरुत्थान

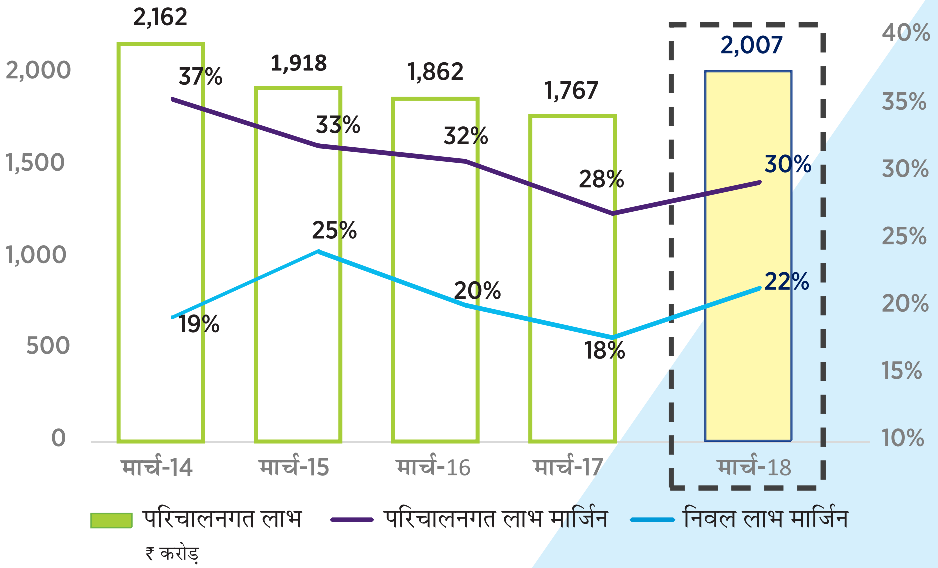

बेहतर आस्ति प्रबंधन – जीएनपीए

वित्व 2017	वित्व 2018
1.2%	**0.94%**

उच्चतर प्रति शेयर आय

वित्व 2017	वित्व 2018
₹21	**₹27**

संवृद्धि इंजन – एमएसएमई एक दृष्टिकोण

किसी अर्थव्यवस्था में संवृद्धि का नेतृत्व करने में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का सामर्थ्य एक माना हुआ और स्वीकृत तथ्य है।

क्षेत्रवार योगदान

- वित्त वर्ष 2017 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई का **28.9%** का अंशदान
- एमएसएमई की कुल संख्या **6.34 करोड़**
- रोजगार सृजन **11.1 करोड़**
- एकल स्वामित्व वाले **20%** **(1.24 करोड़)** प्रतिष्ठानों में **महिला उद्यमी**
- कुल फर्मों का **99%** जीएसटी कर दायित्व में **45.60%** हिस्सेदारी (₹100 करोड़ तक के टर्न ओवर वाले उद्यम)*

* आर्थिक सर्वेक्षण, 2017-18

समर्थकारक वातावरण

क्षेत्र के संवर्द्धन के लिए वित्तीय वर्ष 2018 में अनेक पहलकदमियाँ की गयीं

बैंक पुन: पूँजीकरण
एमएसएमई ऋण में सुधार के लिए
₹2.11 लाख करोड़

मुद्रा
वित्तीयवर्ष 2019 के लिए
₹3 लाख करोड़ का लक्ष्य

विदेशी व्यापार नीति
सत्र के बीच में समीक्षा
श्रमिक उन्मुख/एम एस एम ई क्षेत्र के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ₹8,500 करोड़ का पैकेज

निगमित कर
₹250 करोड़ तक के टर्न ओवर के लिए
25% तक कम किए गए

ट्रेड्स (TReDS)
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को ओनबोर्ड करना
जीएसटीएन के साथ संबद्धता

जेम – ई-सार्वजनिक अधिप्राप्ति
संबंध – ई- अधिप्राप्ति की ट्रैकिंग करना
समाधान – विवाद का समाधान

आरबीआई के उपाय
पीएसएल मानदंड संशोधित
एनपीए के मानदंडों में अस्थायी रियायत

* आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18
^ आईसीआरए रिपोर्ट

एमएसएमई ऋण प्रदायगी के लिए अवसर

कैलेंडर वर्ष 2018 में आईएमएफ द्वारा 4.2% के वैश्विक व्यापार वृद्धि की भविष्यवाणी

निर्यात में उनके 40% के स्वस्थ योगदान को देखते हुए देश के **निर्यात कारोबार में वृद्धि और एमएसएमई वृद्धि संभावनाओं को बढ़ावा**

यथा 31 मार्च. 2018, एमएसई क्षेत्र में एनपीए की प्रवृत्ति बड़े क्षेत्र के उधारकर्ताओं की तुलना में निम्नतर रही

गुणवत्ता की दृष्टि से एमएसएमई एक आकर्षक क्षेत्र है। जोखिम कम करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित ऋण मॉडलों का व्यापक उपयोग

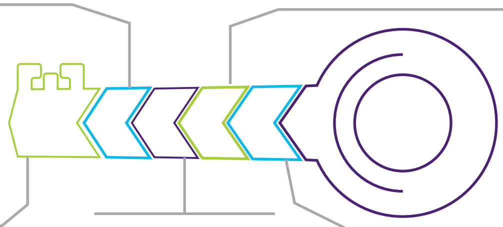

क्षेत्र में औपचारिकता का सन्निवेश

औपचारिक ऋण के लिए लक्षित ग्राहक-वर्ग का विस्तार और सूचना की विषमता का समाधान

6.34 करोड़ एमएसएमई और लगभग 50 लाख संस्थाएँ औपचारिक ऋण चैनल के अंतर्गत शामिल।

बाजार की बहुत-सी संभावना का दोहन नहीं हुआ है।

वित्तीय वर्ष 2018 में मांग-आपूर्ति का अंतराल बना रहा। वित्तीय वर्ष 2018 में एमएसएमई ऋण समग्र खाद्येतर ऋण का लगभग 17% रहा।

एमएसएमई केन्द्रित ऋणदाताओं के लिए पर्याप्त अवसर। एक अनुमान के अनुसार मार्च 2017 में एमएसएमई क्षेत्र में ₹25 ट्रिलियन ऋण की कमी थी।^

^ आईसीआरए रिपोर्ट

उपर्युक्त से अपेक्षित हैं कि दृढ़ीकृत एमएसएमई क्षेत्र में ऋण प्रवाह बढ़ेगा और इस क्षेत्र में समृद्धि होगी ।

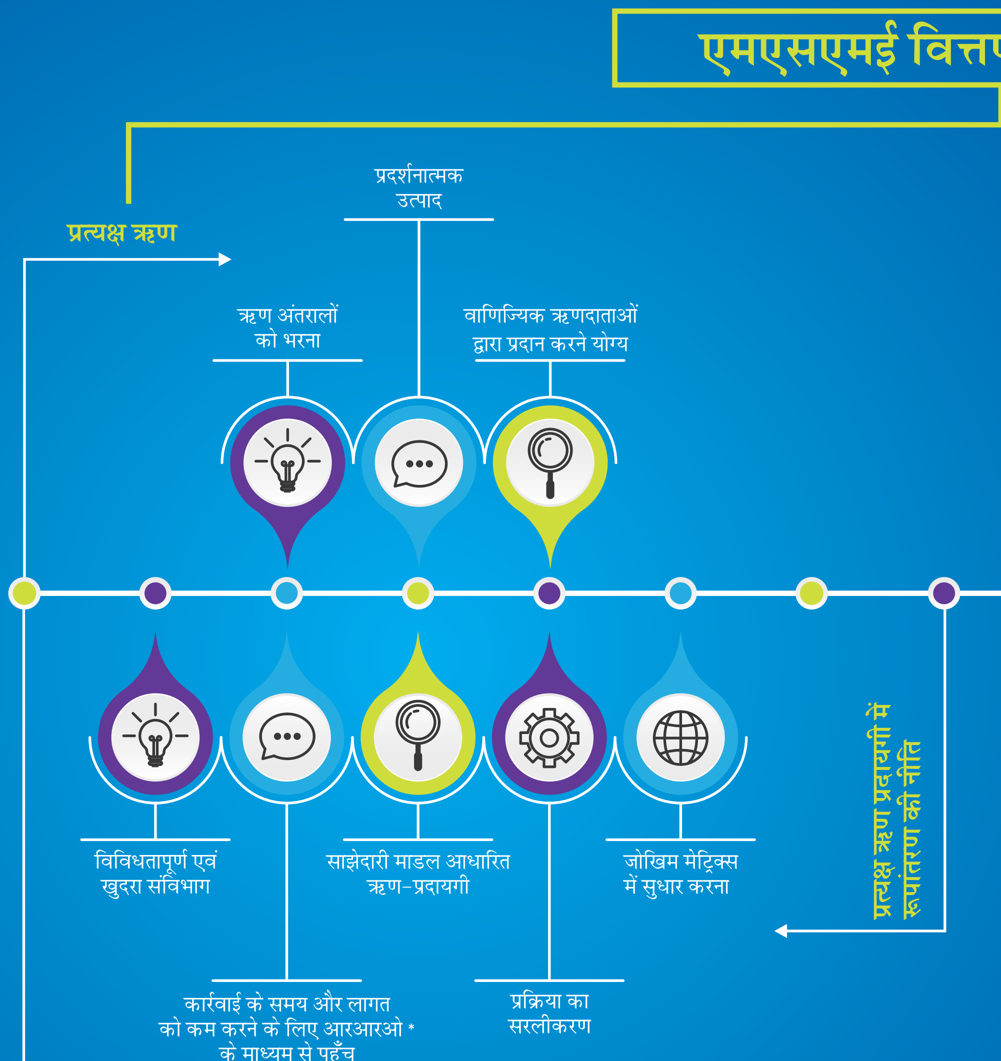

प्रत्यक्ष ऋण पहलकदमियां

स्माइल:- सुलभ शर्तों पर उपलब्ध **₹ 4,992 करोड़** के ऋण द्वारा 2,153 एमएसएमई को सहायता के जरिए "मेक इन इंडिया" को समर्थन

विश्व बैंक एलओसी (एमएसएमई-आईआईएफ):- शुरूआती और संवृद्धिचरणवाली 1061 फर्मों को **₹ 1,945 करोड़** सहायता देकर समावेशी संवृद्धि एवं रोजगार सृजन को प्रोत्साहन

नए साझेदारी मॉडल:- आखिरी पंक्ति तक पहुँच को बढ़ाने के लिए, एयू स्मॉल फाइनैन्स बैंक एवं सूर्योदय स्मॉल फाइनैन्स बैंक के साथ समझौता ज्ञापन

सेवा क्षेत्र वित्तपोषण:- सेवा क्षेत्र के वित्तपोषण के एजेंडा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से बैंक ने फुटकर व्यापारियों को वित्तपोषण आरंभ किया

ग्राहकानुकूल उत्पाद:- कामन सर्विस सेंटर चलाने वाले ग्रामीण स्तर के उद्यमियों को ऋण देने के लिए

* निवासी प्रतिनिधि कार्यालय

ोषण का एजेंडा

अप्रत्यक्ष ऋण

गुणक प्रभाव

बैंकों, एसएफबी,
एनबीएफसी एवं
एमएफआई के माध्यम से

व्यापक पहुँच

अप्रत्यक्ष ऋण प्रदायगी
रूपान्तरण की नीति

ग्रामीण अधोसंरचना
विकास निधि
(आरआईडीएफ)
का लाभ उठाना

संकेन्द्रित विपणन
रणनीति

उच्च रेटिंगयुक्त
मध्यवर्ती संस्थाओं
को लक्ष्य में रखना

अप्रत्यक्ष ऋण – विकास का नेतृत्व

बैंक, एसएफबी एवं
एफआई संविभाग
₹72,622
करोड़
50%
वृद्धि

एनबीएफसी
संविभाग
₹11,412
करोड़
66%
वृद्धि

48%
समग्र वृद्धि

दीर्घकालिक प्रत्यक्ष ऋण संविभाग का निर्माण

01 क्रेडिट ब्यूरो के साथ व्यवस्था के जरिए पूर्व चेतावनी सूचक व्यवस्था

02 ₹5 करोड़ से अधिक के ऋण जोखिम के लिए अतिरिक्त सम्यक सावधानी का प्रावधान

03 ग्राहक पहचान और ग्राहक धारण व्यवस्था

नवोन्मेषी एवं युगांतरकारी व्यवसाय मॉडलों को सहायता

बैंक ने निम्नलिखित तीन निधियों में कुल ₹2120 करोड़ की प्रतिबद्धता के साथ 56 उद्यम निधियों को सहायता प्रदान की

इंडिया ऐस्पिरेशन निधि

- ₹2000 की समूहनिधि
- वैकल्पिक निवेश निधियों (एआईएफ) में निवेश के लिए
- 26 वैकल्पिक निवेश निधियों को ₹936.47 करोड़ की प्रतिबद्धता

ऐस्पायर निधि

- ₹60 करोड़ की समूहनिधि
- निवेश ग्रामीण एवं कृषि उद्योगों से संबंधित उद्यमों पर केंद्रित
- 5 वैकल्पिक निवेश निधियों को ₹47.50 करोड़ की प्रतिबद्धता

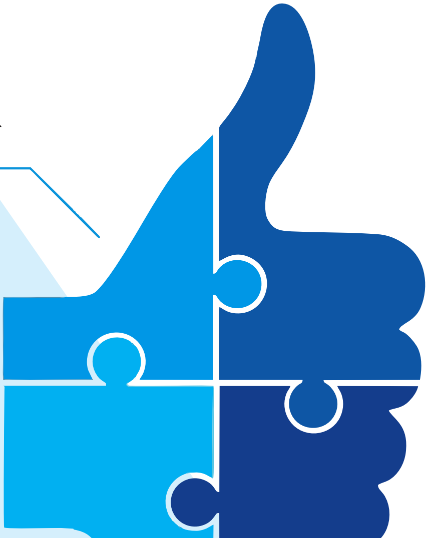

स्टार्ट-अप के लिए निधियों की निधि

- ₹10000 करोड़ की समूहनिधि
- 25 वैकल्पिक निवेश निधियों को ₹1135.70 करोड़ की प्रतिबद्धता
- 120 स्टार्ट-अप में लगभग ₹570 करोड़ का निवेश उत्प्रेरित

मार्च 2018 तक 112 निधियों में कुल ₹3492.21 करोड़ की प्रतिबद्धता

स्टार्ट-अप सहायता योजना के अंतर्गत 70 स्टार्ट-अप को ₹74 करोड़ की सहायता मंजूर

अल्प ऋण के द्वारा सशक्तीकरण

अल्प वित्त के क्षेत्र में बाजार निर्माता

अल्प वित्त संस्थाओं की क्षमता का निर्माण

बैंक की अल्प वित्त यात्रा

अल्प वित्त संस्थाओं के यूनिवर्सल /लघु वित्त बैंक में रूपांतरण के लिए सहायता

क्रांतिकारी परिवर्तक

लघु वित्त बैंकों को सहयोग

- लघु वित्त बैंक का लाइसेंस प्राप्त करने वाली 10 संस्थाओं में से 8 संस्थाएँ सिडबी की भागीदार अल्प वित्त संस्थाएँ थीं
- लघु वित्त बैंकों से संबंधित कुल बकाया राशि ₹3853.25 करोड़ थी
- वर्ष के दौरान कुल पुनर्वित्त सहायता ₹2460 करोड़ है
- लघु वित्त बैंकों में ईक्विटी निवेश ₹118.50 करोड़

अल्प वित्त संस्थाओं को सहयोग

- 98 अल्प वित्त संस्थाओं / लघु वित्त बैंकों को सहायता
- संचयी लाभग्राहियों की संख्या लगभग 381 लाख
- कुल मंजूर सहायता ₹17561 करोड़
- कुल संवितरण ₹15987 करोड़
- 65% वृद्धि के साथ बकाया राशि ₹6032 करोड़

अल्प वित्त के माध्यम से समावेशी विकास को सशक्त बनाना

इंडिया माइक्रोफाइनांस ईक्विटी निधि

- अल्प वित्त संस्थाओं का ईक्विटी आधार बढ़ाना
- ₹300 करोड़ की समूहनिधि
- छोटी समाजोन्मुख अल्प वित्त संस्थाओं पर केंद्रित
- 66 अल्प वित्त संस्थाओं को ₹197.50 करोड़ की ईक्विटी /अर्द्ध-ईक्विटी की प्रतिबद्धता
- वित्तवर्ष 2018 के अंत तक ₹142.46 करोड़ संवितरित

उचित प्रथाओं के लिए सहयोग

- स्वतंत्र अन्य (तृतीय) पक्ष द्वारा अल्प वित्त संस्थाओं की आचरण संहिता मूल्यांकन (कोका)
- सिडबी द्वारा 112 अल्प वित्त संस्थाओं का मूल्यांकन संपन्न
- सामंजस्यपूर्ण सीओसीए टूल (एचसीटी) का विकास
- वित्तवर्ष 2018 में एचसीटी का उपयोग करते हुए 7 अल्प वित्त संस्थाओं का आचरण संहिता मूल्यांकन

अल्प वित्त - भावी कार्यनीति

बैंक की भावी अल्प वित्त कार्यनीति में भागीदार मॉडल के अंतर्गत सूक्ष्म उद्यमियों को सीधे लघु ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में होगा, ताकि कम लागत निधि का लाभ सबसे निचले स्तर के उद्यमों तक पहुँचाया जा सके।

संरचनात्मक प्रयास

क्रिसिडेक्स

- एमएसई का रुझान समझने के लिए तिमाही सूचकांक

एमएसएमई के साथ गहनतर संबंध स्थापित करने के लिए जन-संपर्क कार्यक्रम

एमएसएमई पल्स

- तिमाही एमएसएमई स्वास्थ्य ट्रैकर

एमएसएमई सहयोग संबंधी गतिविधियाँ चलाना – ₹12.61 करोड़ की एमएसएमई विकास निधि

डिजिटल रूप से आगे

उद्यमीमित्र डैशबोर्ड
यथा 30 सितम्बर 2018

- 17,000 से अधिक हैंडहोल्डिंग एजेंसियाँ
- महिला उद्यमशीलता मंच के लिए नीति आयोग के साथ भागीदारी
- 145 ऋणदाताओं में से चयन का विकल्प
- 205594 पंजीकरण
- 56570 हैंडहोल्डिंग अनुरोध
- ₹5019 करोड़ के 42100 ऑनलाइन ऋण आवेदन
- ₹1007.6 करोड़ के लिए 4754 ऑनलाइन मंजूरियाँ
- ऋण सुपात्रता का स्व-मूल्यांकन करने के लिए बैंकेबिलिटी किट
- कौशल संबंधी सेवाएँ देने के लिए 5958 पीएमकेवीवाई केंद्र और 462 पीएमकेके केंद्र मैप करने के लिए एनएसडीसी के साथ व्यवस्था
- 512 सीसीआई एवं 19 सीसीसी का इसके साथ जुड़ाव
- 325 बैंक-सुपात्र परियोजना रूपरेखाएँ

समृद्धि एक प्रतीयमान सहायक है, जिसने 40000 से अधिक प्रश्नों के उत्तर दिए

डिजिटल ऊर्जा दक्षता प्रयास

- ई-लर्निंग मॉड्यूल
- वेब-आधारित ऊर्जा दक्षता मूल्यांकन साधन (टूल) का विकास

टिकाऊ विकास के समर्थन में स्वच्छ ऊर्जा वित्त पोषण

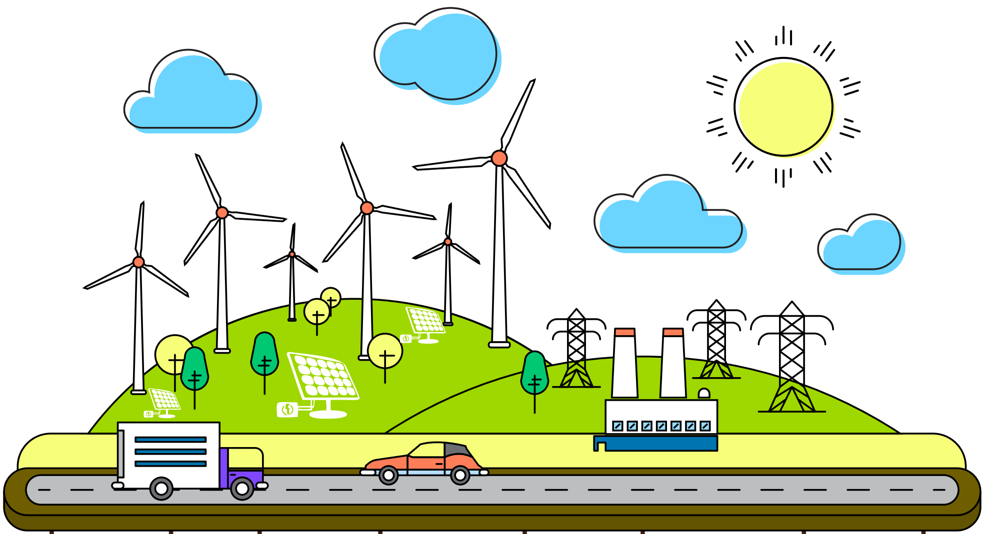

आद्योपांत ऊर्जा दक्षता (4ई)

220 एमएसएमई के तकनीकी समाधान के परिणामस्वरूप 57 किलोटन कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में वार्षिक कमी

विश्व बैंक के नेतृत्व में जीईएफ वित्तपोषित ऊर्जा दक्षता परियोजना

10 क्लस्टरों में 1200 वाकथ्रू लेखापरीक्षाएँ और 950 विस्तृत ऊर्जा लेखापरीक्षाएँ। 350 एमएसएमई को लक्ष्य करने के लिए 16 और क्लस्टरों का चयन

एस्को / विश्व बैंक समर्थित गारंटी निधि

बैंकों / वित्तीय संस्थाओं को 10 ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं के संबंध में सिडबी और एनर्जी एफीशियंसी सर्विसेस लिमिटेड (ईएसएल) द्वारा आंशिक जोखिम कवर प्रदान किया गया

नामांकन

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा स्थापित ग्रीन क्लाइमेट फंड के लिए राष्ट्रीय कार्यान्वयन संस्था के रूप में नामांकन

भारत सरकार की सब्सिडी योजनाओं के लिए नोडल एजेंसी

- ➢ वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान 4003 एमएसएमई इकाईयों को लाभान्वित करते हुए ₹142.97 करोड़ की सब्सिडी का संवितरण सम्पन्न किया
- ➢ 30714 एमएसएमई इकाईयों को लाभान्वित करते हुए ₹2705.87 करोड़ का संचयी सब्सिडी संवितरण

ऋण आधारित पूंजी सब्सिडी योजना (सीएससीएसएस)

- ➢ वित्व 2018 में दावों का निपटान
  - सिडबी की 124 पात्र एमएसई उधारकर्ताओं इकाईयों को ₹6.85 करोड़
  - सहयोजित पीएलआई के ₹92.53 करोड़ के 1360 दावों का निपटान
- ➢ इसकी शुरुआत से कुल ₹1511 करोड़ के 25313 सब्सिडी दावों का निपटान

प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टफ्स)

- ➢ प्रारम्भ से ₹868.73 करोड़ के ब्याज और पूंजी सब्सिडी दावों का निपटान
- ➢ वित्व 2018 में दावों का निपटान
  - सिडबी उधारकर्ताओं के ₹11.08 करोड़ के 626 सब्सिडी दावे
  - सहयोजित पीएलआई के ₹26.42 करोड़ के 1813 सब्सिडी दावों का निपटान

प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता उन्नयन योजना (TEQUP)

- ➢ योजना आरंभ से ₹16.58 करोड़ के 220 पात्र सब्सिडी दावों का निपटान
- ➢ वित्व 2018 के दौरान ₹6.09 करोड़ के 80 मामले निबटाए गए

चमड़ा क्षेत्र एकीकृत विकास योजना (आईडीएलएसएस)

- ➢ योजना आरंभ से ₹296.28 करोड़ के कुल 1775 दावों का निपटान

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के प्रौद्योगिकी उन्नयन/स्थापना/आधुनिकीकरण/विस्तार संबंधी योजना (एफपीटीयूएफएस)–

- ➢ सिडबी के 44 उधारकर्ताओं को ₹13.28 करोड़ की संचयी सब्सिडी जारी की गई

निर्धनतम राज्य समावेशी संवृद्धि (पीएसआईजी) कार्यक्रम

सिडबी यूनाइटेड किंगडम सरकार के डिपार्टमेंट फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के सहयोग से पीएसआईजी कार्यक्रम का कार्यान्वयन कर रहा है। इस कार्यक्रम से चार राज्यों, अर्थात् उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और ओडिशा के 12 मिलियन लाभग्राहीयों को निजी क्षेत्र के वित्तीय एवं तकनीकी संसाधनों का लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है।

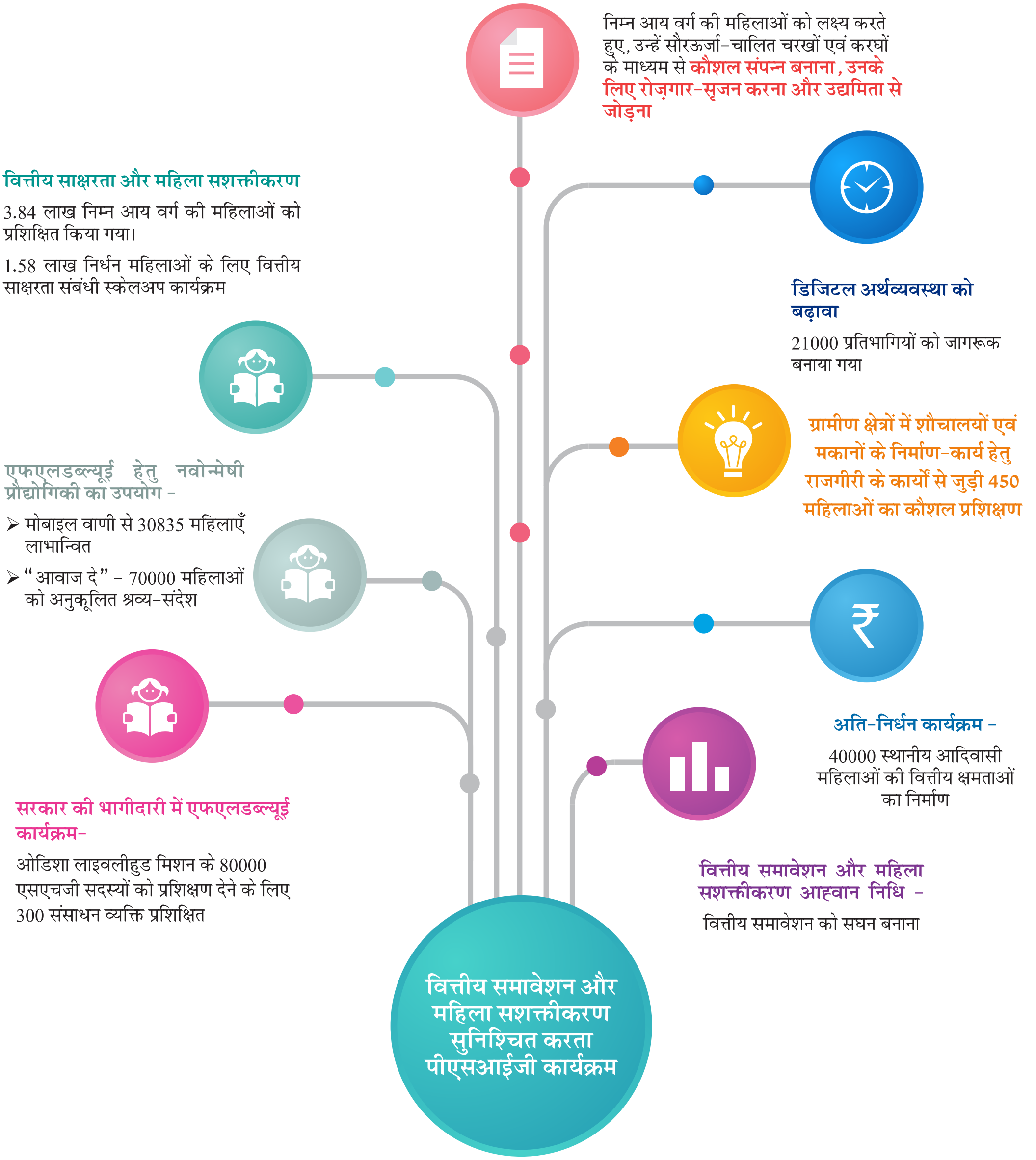

संवर्द्धन एवं विकास कार्यकलाप

सिडबी विजन 2.0 को अपनाने और सूक्ष्म उद्यमों पर नए फोकस के साथ, एमएसएमई क्षेत्र के संवर्द्धन और विकास (पी एंड डी) ने बैंक के मूल दर्शन के रूप में विश्वसनीयता हासिल की।

लाभान्वित उद्यम
85,000

रोजगार सृजन
1.6 lakh

शामिल लाभग्राही
2.5 lakh

नवीन केंद्र-बिंदु और भावी कार्यनीति

- उद्यमिता शिक्षा के बारे में प्रिंट मीडिया अभियान
- प्रमुख संस्थाओं के साथ व्यवस्था के माध्यम से उद्यमिता शिक्षा
- सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए मध्यम और बड़े उद्यमों के एक्सपोजर दौरे
- सिडबी ईटी इंडिया एमएसई पुरस्कार के माध्यम से उद्यमियों का अभिप्रेरण
- 115 आकांक्षी जिलों में उद्यमिता कार्यक्रम

पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य धारा में आत्मसात करना

1. 450 उद्यमिता विकास कार्यक्रम, जिनमें 18000 उभरते उद्यमी लाभान्वित हुए
2. 60 समूह विकास कार्यक्रम, जिनमें 8000 व्यक्ति लाभान्वित हुए
3. 200 कौशल उन्नयन कार्यक्रम, 120 प्रदर्शनियाँ / सेमिनार और 60 एक दिवसीय साक्षरता कार्यक्रम, जिनमें 25000 प्रतिभागी लाभान्वित हुए
4. एमईपीपी के अंतर्गत 3000 इकाइयाँ सम्मिलित
5. एनईडीएफआई के सहयोग से 8 व्यवसाय सुविधा केंद्र

एमएसएमई को परामर्शदात्री सेवाएँ

उद्यमियों की हैंडहोल्डिंग

- प्रमाणित ऋण परामर्शदाताओं (सीसीसी) के लिए पंजीकरण प्राधिकारी
- 512 ऋण परामर्श संस्थाएँ (सीसीआई) और 19 सीसीसी उद्यमिता पोर्टल से जुड़े
- 10730 आवेदन सेवित
- सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) हैंडहोल्डिंग एजेंसियों के रूप में शामिल

बाजार संपर्कों की स्थापना

- 2000 व्यापार मेले / प्रदर्शनियाँ / क्रेता-विक्रेता बैठकें / कार्यशालाएँ, जिनमें 1.50 लाख से अधिक व्यक्ति लाभान्वित हुए
- रेलवे के साथ जुड़े एमएसएमई के लिए 7 विक्रेता विकास बैठकें

स्मॉल बी - उद्यमियों को मार्गदर्शन

- नवीन व्यवसाय की स्थापना में शामिल कदम
- व्यवसाय के अवसर खोलना
- सफल स्टार्ट-अप से सीख

मुद्रा - माइक्रो यूनिट्स डेवलेपमेंट ऐंड रिफाइनेंस एजेंसी

- सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए बैंकों, अल्प वित्त संस्थाओं ,अन्य वित्त संस्थाओं को पुनर्वित्त सहायता
- वित्तवर्ष 2018- मुद्रा के अंतर्गत ₹7501.05 करोड़ और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत ₹253677.10 करोड़ की पुनर्वित्त की सहायता दी गई
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत पिछले तीन वर्ष में 12.27 करोड़ उधारकर्ताओ को ₹ 5,71,654.91 करोड़ मंजूर किए गए

सिडबी वेंचर कैपिटल लिमिटेड

- उद्यम पूँजी निधियों /वैकल्पिक निवेश निधियों का प्रबंध करने के लिए निवेश प्रबंध कंपनी
- एसवीसीएल वर्तमान में 7 निवेश निधियों के निवेश प्रबंधक के रूप में कार्यरत
- 116 निवेशों एवं 50 निकासियों के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान.

रिसीवेबल एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (आरएक्सआईएल)

- ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम एक्सचेंज का परिचालन.
- 31 मार्च 2018 तक 56 क्रेता,149 एमएसएमई विक्रेता तथा 26 वित्तीयक पंजीकृत
- ₹223 करोड़ के कुल 4605 बीजकों को फैक्टर किया गया

आईएसटीएसएल - इंडिया एसएमई टेक्नोलॉजी सर्विसेज लिमिटेड

- एमएसएमई परियोजनाओं को प्रौद्योगिकी सलाह व परामर्श सेवाएँ
- 25 उद्यम-समूहों में, एमएसएमई में 4ई योजना (आद्योपांत ऊर्जा दक्षता) संबंधी निवेशों के लिए वित्तपोषण योजनाओं, सोलर रूफटॉप पी वी सिस्टम्स एवं जेडईडी योजना के संबंध में जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन, जिनसे 1000 एमएसएमई लाभान्वित
- परिणामस्वरूप ग्रीन हॉउस गैसों के उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी

सिडबी पारितंत्र

आनलाइन पीएसबी लोन्स लिमिटेड*

वित्तीय बाजार की प्रौद्योगिकी एवं अनुभवों का लाभ उठाने के लिए स्थापित फिनटेक कंपनी, जो स्मार्ट, इंटरएक्टिव, सरल और नवोन्मेषिता से आद्योपांत वित्तीय समाधान उपलब्ध कराती है।

आईसार्क – इंडिया एसएमई एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड

- एमएसएमई क्षेत्र की गैर–निष्पादक आस्तियों के अभिग्रहण के उद्देश्य से स्थापित
- वित्तवर्ष 2018 – ₹34.11 करोड़ की वसूलियाँ और ₹20.80 करोड़ की प्रतिभूत प्राप्तियों का मोचन
- 31 मार्च, 2018 तक ₹430.11 करोड़ की प्रबंधाधीन आस्तियाँ
- कुल ₹74.66 करोड़ की अधिप्राप्ति लागत के 107 खाते अधिप्राप्त किए गए

एक्विट – एक्विट रेटिंग्स ऐंड रिसर्च लि.

- लघु एवं मध्यम उद्यम केंद्रित रेटिंग एजेंसी (पूर्व में स्मेरा)
- वित्तवर्ष 2018 – 1464 बैंक ऋणों की रेटिंग संपन्न
- 31 मार्च, 2018 तक संचयी रूप से 5783 बैंक ऋणों की और 43376 एमएसएमई इकाइयों की रेटिंग संपन्न

सूक्ष्म एवं लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (ब्रांड – उड़ान)

- संपार्श्विक प्रतिभूति /तृतीय पक्ष की गारंटी से रहित ₹200 लाख तक के सूक्ष्म एवं लघु उद्यम ऋणों को गारंटी उपलब्ध कराना
- वित्तवर्ष 2018 – 33,980 इकाइयों के कुल ₹927.13 करोड़ राशि के दावों का निपटान
- संचयी रूप से ₹4439.55 करोड़ के कुल 172003 दावों का निपटान

*प्रभावी वित्त वर्ष 2019

प्रबंध एवं नैगम अभिशासन

सांविधिक अपेक्षाओं के अनुसार पारदर्शिता, दायित्व और नीति के अनुकरणीय मानक को बनाए रखते हुए बैंक ने नैगम अभिशासन को अपनाया है, इससे हितधारकों के मध्य सिडबी के प्रति उच्चतम स्तर का विश्वास स्थापित हुआ है और साथ ही वित्तीय परिदृश्य में संस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का सृजन हुआ है।

बोर्ड का संघटन (15)

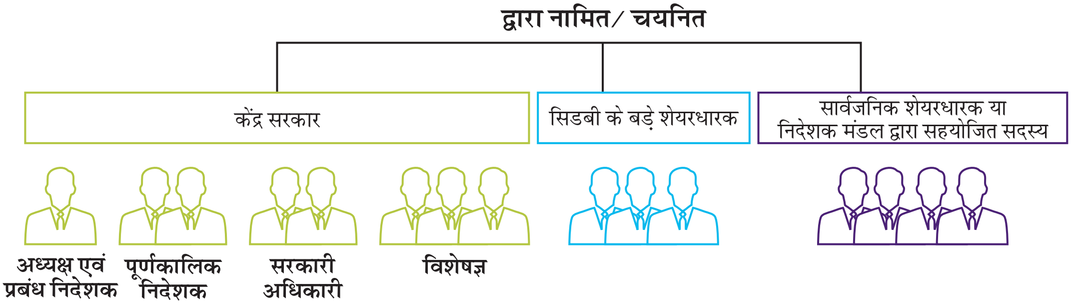

महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बोर्ड द्वारा गठित 12 समितियां (पृष्ठ संख्या - 4)

6 आंतरिक समितियां (पृष्ठ संख्या - 5)

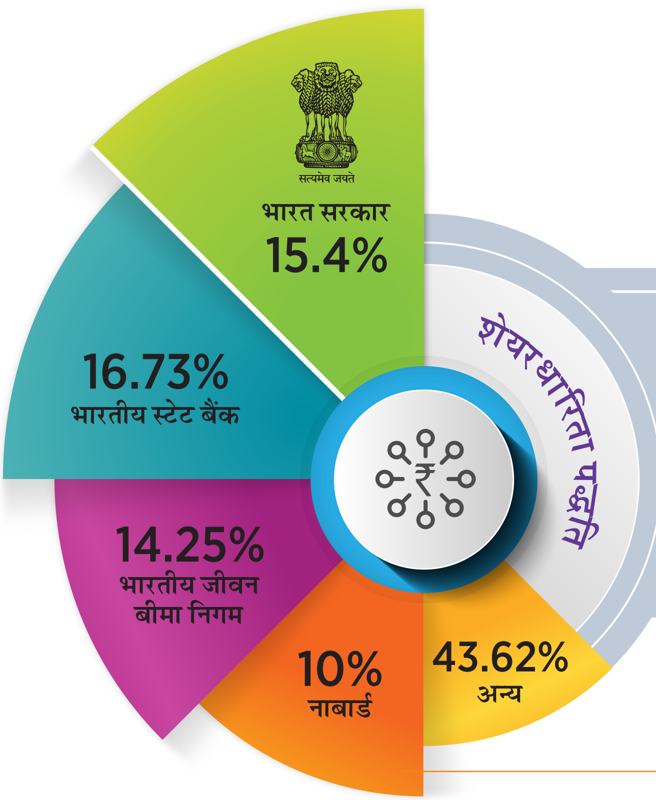

भारत सरकार एवं भारत सरकार के स्वामित्व में या उसके द्वारा संचालित 29 अन्य संस्थाओं यथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों / बीमा कंपनियों द्वारा सिडबी के शेयर धारित हैं।

शेयर होल्डिंग का %

मानव संसाधन पूल

यथा 31 मार्च, 2018 तक कुल कर्मचारी
1129

महिला (22%)

अधिकारी	श्रेणी-III स्टाफ	अधीनस्थ स्टाफ
988	93	48

अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	पिछड़े वर्ग	महिलाएँ
195	82	213	247

भूतपूर्व -सैनिक	दिव्यांग व्यक्ति
5	32

मानव संसाधन पहलकदमियां

- क्षेत्रीय कार्यालयों की संख्या का 15 से 9 में युक्तिकरण
- 360 डिग्री प्रतिसूचना और व्यावसायिक व्यक्तित्व प्रश्नावली (ओपीक्यू) को आरंभ किया गया
- निवासी प्रतिनिधि कार्यालय (नि.प्र.का.) ढांचे को आरंभ किया गया – सितम्बर 30, 2018 को को 17 नि.प्र.का. हैं
- मानव संसाधन परामर्शदाता के माध्यम से मानव संसाधन रूपरेखा का पुनर्विन्यास
- सेबैटिकल (विश्राम) अवकाश आरंभ किया गया
- प्रशिक्षण कक्ष को आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणपत्र प्राप्त है
- स्टाफ कल्याण हेतु आवंटन ₹1.88 करोड़

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

262 आवेदन मिले और निपटाएं गए

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी को 23 अपीलें की गईं

6 अपीलें मुख्य सूचना अधिकारी को भेजी गईं

प्रशिक्षण हेतु 886 नामांकन

210 महिलाएं

434 आरक्षित श्रेणी

19 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण जिसमें 7 आरक्षित श्रेणी से शामिल हैं

सतर्कता ढांचा

- सहभागी सतर्कता को बढ़ावा देने हेतु "दक्षता" पत्रिका और "विजिलेंस ब्लॉग"
- परिचालनों का डिजिटलीकरण
- वर्ष के दौरान 4 कार्यशालाएँ और 2 सम्मेलन आयोजित

प्र.का. में सतर्कता व्यवस्था

मुख्य सतर्कता अधिकारी

क्षे.का. में सतर्कता व्यवस्था

क्षे.का. में निरोधात्मक सतर्कता समिति

शिकायतों की संवीक्षा हेतु आंतरिक सलाहकार समिति

प्र.का. में केंद्रीय सतर्कता समिति

राजभाषा नीति

क्षेत्रवार पत्राचार

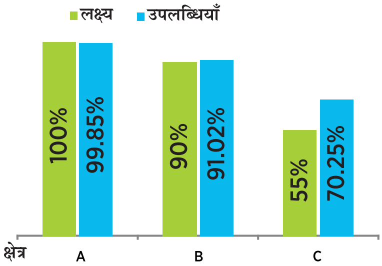

क्षेत्रवार हिन्दी में टिप्पण

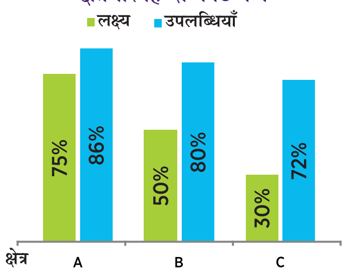

- राजभाषा नियम 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत भारत के राजपत्र में 39 कार्यालय अधिसूचित
- 65 हिन्दी कार्यशालाएँ आयोजित
- प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण बनाने हेतु राजभाषा शील्ड योजना और सर्वोत्तम राजभाषा प्रतिनिधि योजना
- 'संकल्प' – तिमाही हिन्दी पत्रिका – 84 अंक प्रकाशित
- 13वीं अखिल भारतीय अंतर-बैंक हिन्दी निबंध प्रतियोगिता आयोजित
- 63 कार्यालयों और 20 उद्भागों का निरीक्षण किया गया

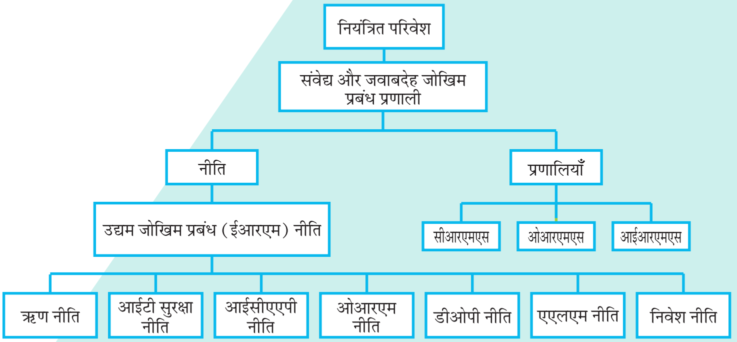

अनर्जक आस्ति प्रबंध नीति

निम्न के माध्यम से एनपीए में कमी लाना, एनपीए बनने से रोकना और अधिकतम वसूलियाँ करना

- निदेशक मण्डल स्तर की "वसूली समीक्षा समिति"
- क्षेत्रीय कार्यालयों और प्रधान कार्यालय के बीच आवधिक बातचीत
- दबावग्रस्त आस्तियों की क्षेत्र स्तरीय समितियों द्वारा समीक्षा

जीएसटी पंजीकृत एमएसएमई के लिए आरबीआई से मिलने वाली राहत के अंतर्गत ₹59 करोड़ की बकाया वाले 19 उधारकर्ताओं ने लाभ लिया

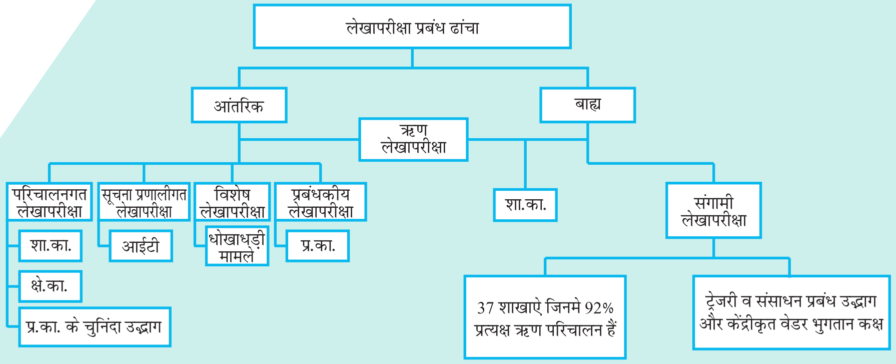

www.sidbi.in

प्रधान कार्यालय : सिडबी टॉवर, 15, अशोक मार्ग, लखनऊ - 226001 (उत्तर प्रदेश)
दूरभाष: 0522-2288547-50, फैक्स: 0522-2288455-59,

शाखा कार्यालय

30 सितम्बर, 2018 को

क्र.	क्षेत्रीय कार्यालय (क्षे.का.)	शाखा कार्यालय (शा.का.), निवासी प्रतिनिधि कार्यालय (नि.प्र.का)
1	अहमदाबाद क्षे.का.	अहमदाबाद शा.का., गांधीधाम शा.का., जामनगर नि.प्र.का, मोरबी शा.का., राजकोट शा.का., सूरत शा.का., वडोदरा शा.का., वटवा शा.का., भुज नि.प्र.का, महेसाणा नि.प्र.का
2	चेन्नई क्षे.का.	अम्बत्तूर न.प्र.का, चेन्नई शा.का, पुदुच्चेरी शा.का, कोयम्बतूर शा.का, ईरोड शा.का, कोच्चि शा.का, मदुरै शा.का, तिरुपुर शा.का, त्रिची नि.प्र.का, खोजिकोड नि.प्र.का, तिरुवल्लूर नि.प्र.का
3	चंडीगढ़ क्षे.का.	चंडीगढ़ शा.का., जालंधर शा.का., जम्मू नि.प्र.का,लुधियाना शा.का., शिमला नि.प्र.का, अंबाला नि.प्र.का
4	गुवाहाटी क्षे.का.	गुवाहाटी शा.का., अगरतला शा.का., आइजॉल शा.का., दीमापुर शा.का., गंगटोक शा.का., इम्फाल शा.का., ईटानगर शा.का., शिलांग शा.का. ,कोलकाता शा.का.
5	हैदराबाद क्षे.का.	बालानगर शा.का., हैदराबाद शा.का., विजयवाडा शा.का., विशाखापत्तनम शा.का., बेंगलूरु, शा.का., होसूर शा.का., हुबली शा.का., पीन्या शा.का., भुवनेश्वर शा.का., मैसूर शा.का, रायपुर शा.का. ,राउरकेला शा.का., गुंटूर नि.प्र.का, काकीनाड़ा नि.प्र.का
6	जयपुर क्षे.का.	अलवर शा.का., भिवाड़ी नि.प्र.का, जयपुर शा.का., जोधपुर शा.का., किशनगढ़ शा.का., उदयपुर शा.का.
7	लखनऊ क्षे.का.	आगरा शा.का., कानपुर शा.का., लखनऊ शा.का., वाराणसी शा.का., भोपाल शा.का., देहरादून शा.का., जमशेदपुर शा.का., पटना शा.का., राँची शा.का., रुद्रपुर शा.का., इलाहाबाद नि.प्र.का
8	नई दिल्ली क्षे.का.	बहादुरगढ़ शा.का., ग्रेटर नोएडा नि.प्र.का, कुंडली शा.का., नई दिल्ली शा.का., नोएडा शा.का., फरीदाबाद शा.का., गुरुग्राम शा.का., पानीपत नि.प्र.का
9	पुणे क्षे.का.	अहमदनगर शा.का., औरंगाबाद शा.का., चिंचवड नि.प्र.का, कोल्हापुर शा.का., नासिक शा.का., पुणे शा.का., इंदौर शा.का., नागपुर शा.का., अंधेरी शा.का., पणजी शा.का., ठाणे शा.का.

आभार-ज्ञापन

निदेशक-मंडल भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त हुई बहुमूल्य सहायता के लिए आभार ज्ञापित करता है। निदेशक-मंडल विश्व बैंक समूह: जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जाइका); डिपार्टमेंट फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (डीएफआईडी), यू.के.; क्रेडिटांस्टाल्ट फर वीडरफबउ (केएफडब्ल्यू), जर्मनी; दि ड्युश जेसेल्शाफ्ट फर इंटरनेशनाल जुसैमेनारबीट (जीआईजेड), जर्मनी; इंटरनेशनल फंड फॉर ऐग्रीकल्चरल डेवलपमेंट (आईएफएडी), रोम; फ्रेंच डेवलपमेंड एजेंसी (एएफडी), फ्रांस और एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) का भी आभारी है, जिनसे सहायता और तकनीकी सहयोग लगातार मिलता रहा है। जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बैंकों, राज्य-स्तरीय संस्थाओं, उद्योग संघों तथा एमएसएमई क्षेत्र के संवर्द्धन व विकास से जुड़े अन्य हितधारकों से सिडबी को मिले सहयोग के लिए निदेशक-मंडल उनकी भूरिश: प्रशंसा करता है।

बैंक अपने सभी ग्राहकों तथा निवेशकों के सहयोग के लिए उनको धन्यवाद ज्ञापित करता है और आनेवाले वर्षों में उनसे लगातार सहायता की आकांक्षा रखता है। निदेशक-मंडल सिडबी के प्रत्येक स्तर के स्टाफ की सेवाओं की प्रशंसा करता है, जिन्होंने लगातार सुदृढ़ता, वचनबद्धता, ईमानदारी तथा समर्पण का भाव दर्शाया और बैंक को विकास के उच्चतर पथ पर अग्रसर करने में वर्ष-पर्यन्त जुटे रहे।

सिडबी

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

www.sidbi.in

@sidbiofficial | SIDBIOfficial | SIDBIOfficial

Degree 360 Solutions Pvt. Ltd.